Written by अवनिाश पांडेय
Monday, 18 June 2018 06:40

: □□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□-05 □□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□, 13 □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ : □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□-□□□□□□□□□□ : □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ :

□□□□□□□ □□□□□□□

□□□□□□□□□ **:**नौकरशाही के शीर्ष क्षेत्र मे पार्श्व प्रवेश को संस्थागत बनाने का मोदी सरकार का नर्णिय देश के सभी क्षेत्रों में नौकरशाही की ग□ब□ी और लालफीताशाही को रोकने तथा भारतीय नौकरशाही में कुशलता को बढाने के लि□ है□ वर्ष 2005 दूसरे प्रशासनकि सुधार आयोग ने सविलि सेवाओं में लेटरल प्रवेश (पार्श्व प्रवेश) की अनुशंसा की थी□ लेकनि तब इस प्रस्ताव का भारी वरिोध मुख्य रूप से आई □ □स अधकिारीयों द्वारा कयिा गया था□

यह नर्णिय मुख्य रूप से नौकरशाही को कार्पोरेट हतिों के अनुरूप बनाने के लि□ है□ जसिसे आगे चलकर आम जनता का हति नकारात्मक रूप से प्रभावति हो सकता है और कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को क्षतपिहुंच सकती है□ पार्श्व प्रवेश के द्वारा आये नौकरशाह और यूपी□ससी के द्वारा चयनति नौकरशाहों के बीच आपसी टकराहट बढेगी जो समस्त कार्यपालकिा की कार्यप्रणाली को नकारात्मक ढंग से प्रभावति कर शक्तयिों के पृथक्करण के सद्धिांत को नुकसान पहुंचा सकती है□ अतीत का अनुभव और अन्य देशों के उदाहरणों से यह स्पष्ट है कि इससे नजिीकरण का गतमिें और तीव्रता आ□गी□

इस तरह का कदम कम योग्यता वाले लेकनि राजनीतकि रूप से जु□ व्यक्तयिों के लि□ पछिला दरवाजा खोलकर उच्चतम स्तर पर नर्णिय लेने की क्षमता को प्रभावति करेगा□ सविलि सेवक, जन्हिोंने बहुत ही प्रतस्पिर्धी प्रक्रयिा के माध्यम से सस्टिम में प्रवेश कयिा है, हतोत्साहति होंगे क्योंकि इन संयुक्त सचवि (जे□स) स्तरों पर उनकी पदोन्नतसिंभावनाओं पर प्रतकिूल प्रभाव प□गा□ सरकार कुछ चयनति कंपनयिों और नगिमों के सीईओ का पक्ष ले सकती है और ये लोग आगे चलकर सार्वजनकि हति में नर्णिय लेने की बजाय अपनी कंपनी के हति में नर्णिय लेना प्रारंभ कर दें□□

पार्श्व मार्ग से प्रवेश पाये नौकरशाहों से अनुशासन, जवाबदेही और प्रतबिद्धता की उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि उनके पास सदैव □क बेहतर वकिल्प उपलब्ध है□ जो ज्यादा दबाव में हो, वो त्यागपत्र देकर अपने दायत्वि से मुक्त हो□